# सामाजिक न्याय एंव अधिकारिता विभाग हिमाचल प्रदेश

## समेकित बाल विकास सेवा कार्यक्रम के अन्तर्गत पूर्व शाला शिक्षा पाठ्यक्रम

# "पहला प्रयास"

## भाग : 6

## माह अगस्त

**मासिक विषय : पशु, पक्षी और कीट**

निदेशालय
महिला एवं बाल विकास
हिमाचल प्रदेश, शिमला–171001

# आई.सी.डी.एस. कार्यक्रम के अन्तर्गत पूर्व शाला शिक्षा पाठ्यक्रम

## माह अगस्त

### मासिक एंव साप्ताहिक विषय

**पहला सप्ताह**

जमीन हवा पानी

**दूसरा सप्ताह**

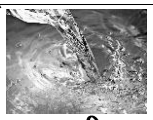

पानी

**तीसरा सप्ताह**

आकाश

**चौथा सप्ताह**

वातावरण संरक्षण

**माह : अगस्त**

हमारा परिवेश

# आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए

- बच्चों के साथ मधुरता एवं कोमलता का व्यवहार रखें।
- 3 से 4 वर्ष और 4 से 5 वर्ष के बच्चों के साथ अलग–अलग गतिविधि करवाते समय यह ध्यान रखें कि दोनों ग्रुप के बच्चे गतिविधि में व्यस्त हैं और अगर कोई ग्रुप गतिविधि जल्दी खत्म करता है तो उन्हें कविता गाने या चाक से ड्राईंग करने के लिए कहें ऐसे समय उन बच्चों पर ज्यादा ध्यान दें जिन्हें कार्य करने में मुश्किल महसूस हो रही हो।
- कार्यकर्ता बच्चों की समझ और गति के अनुसार गतिविधियों को दोहराएं या जल्दी करवाएं, गतिविधियों की अवधि बच्चो की ध्यान अवधि( 15–20 मिनट) के दृष्टिगत लगभग 20 मिनट की हो। अतिरिक्त समय समापन वह अगली गतिविधि की शुरुआत के लिए आबंटित करे। कार्यकर्ता उन विषयों को अधिक समय दें और दोहराएं जिन्हे बच्चों को समझने में मुश्किल हो रही हो ।
- मासिक विषय के अनुरूप समर्थक वातावरण बनाऐं रखने के लिए आंगनवाड़ी केन्द्र को विषय अनुरूप व्यवस्थित करें।
- कार्यकर्ता माह का विषय पहले सोमवार से आरम्भ करें, उदाहरणतः यदि पहला सोमवार 5 तारीख को है तो उस माह का विषय 5 तारीख से आरम्भ करे और 1 से 4 तारीख तक गत माह में करवाए गए विषयों की पुर्नावृति करवाएं इसी प्रकार कार्यकर्ता माह के चौथे सप्ताह के पश्चात भी माह के दौरान करवाए गए विषयों की पुर्नावृति करवाएगी और गतिविधियों के दौरान बच्चों का निरीक्षण और आंकलन की क्रिया को पूरा करेंगी।
- कार्यकर्ता हर दिन का पाठ्यक्रम पहले से पढ़कर रखें।
- कार्यकर्ता आंगनवाड़ी केन्द्र बन्द करने से पहले अगले दिन की गतिविधियों की सारी तैयारी कर लें। दैनिक गतिविधियों को आरम्भ करने से पूर्व ही सभी सहायक शिक्षण सामग्री व्यवस्थित कर ले ताकि दिन भर उन्हे सामान एकत्रित करने के लिए बच्चों को छोड़कर उठना न पड़े।
- यदि किसी दैनिक विषय के क्रियान्वयन में स्थानीय परिवेश के कारण कठिनाई हो तो किसी अन्य प्रासंगिक विषय का प्रयोग करें।
- यदि किसी दैनिक विषय को अवकाश अथवा किन्हीं अन्य कारणों कि वजह से लागू न कर सकें तो उसे माह के अन्त में करें।

# माह– अगस्त
## विषय : हमारा परिवेश

प्रथम सप्ताह
सोमवार

साप्ताहिक विषय : धरती
दैनिक विषय : जमीन हवा पानी

उदेश्यः–

माह के अन्त में बच्चे सक्षम होंगे–

1. अपने आस–पास के परिवेश में मिट्टी, पानी, पेड–पौधे, चांद–सूरज, तारे आदि की पहचान करने में।
2. रंगो व आकृति का ज्ञान समझने में।

समय

गतिविधियां

**10:00 से 10:30**

स्वागतः–

आंगनवाडो कार्यकर्ता सभी बच्चों के साथ नाम लेकर नमस्ते से उनका अभिवादन करेगी। बच्चे भी आंगनवाड़ी कार्यकर्ता को तथा आंगनवाडो सहायिका को नमस्ते करेंगे। इसके बाद निम्न प्रार्थना व राष्टगान करवाएं।

| प्रार्थना | राष्ट्रगान |
|---|---|
| हर देश में तू हर वेश में तू<br>तेरे नाम अनेक तू एक ही है।<br>सागर से उठा बादल बनके<br>बादल से गिरा जल हो कर के<br>फिर नहर बनी नदियां गहरी<br>तेरे भिन्न प्रकार तू एक ही है।<br>हर देश में तू ..... | जन–गण–मन अधिनायक जय हे,<br>भारत भाग्य विधाता।<br>पंजाब, सिंध, गुजरात मराठा,<br>द्रविड, उत्कल बंग।<br>विन्ध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा<br>उच्छल, जलधि, तरंग।<br>तव शुभ नामे जागे।<br>तव शुभ आशिष मागे।<br>गाए तव जय गाथा।<br>जन–गण–मंगलदायक जय हे,<br>भारत भाग्य विधाता।<br>जय हे, जय हे, जय हे<br>जय, जय, जय, जय हे। |

स्वच्छता जांचः–

कार्यकर्ता बच्चों से एक दूसरे के शरीर के अंगो एवं वस्तुओं की जांच करने को कहें, सभी बच्चे एक दूसरे के नाखून, दॉत, बाल, कपड़े, आदि की स्वच्छता की जांच करे।

**10:30 से 10:45**

नाश्ता वितरण :– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

**10:45 से 11:15**

विषय आधारितम वार्तालापः–

आंगनवाडी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों से पूछें कि जमीन, हवा पानी यह सब क्या है ? किसे कहते हैं ? फिर बताएं कि

1. जमीनः– जहां हम रहते हैं, खडे होते हैं, खाना खाते हैं। जहां पेड, पौधे, पशु, पक्षी रहते हैं। जहां फूल खिलते हैं उसे जमीन कहते हैं।
2. हवाः– मैं आपको हवा के बारे में बताती हूं। जिससे हम सांस लेते हैं। हवा कहां रहती है। हवा का आकार कैसा है, जब हवा चलती है तो क्या होता है। क्या हम हवा देख सकते हैं ?
3. पानीः– बच्चों, घर में पानी कहां से आता है, पानी से हम नहाते हैं, पीते हैं। अगर पानी न हो तो कोई काम नहीं हो सकता।

कविता भी करवाएं–

4. हरी भरी हरियाली धरती, सुन्दर शान्त निराली धरती।
   फूल फल और अन्न उगाती, खूब खिलाती कुछ न खाती।
   जीवन धरती पर मिलता है, हिलती धरती, जग हिलता है।
   आओ प्यारे बच्चो आओ धरती मॉ को शीश नवाओ।

**11:15 से 11:45**

बौद्धिक विकासः– परिकल्पना : श्रव्य/दृश्य– *(विधि–मिलान, विभेदीकरण, ग्रुपिंग)*

(3–5+ आयु वर्ग)

- मिलान– एक जैसी वस्तुओं/चित्रों का मिलान करवाएं

- पेडों के पत्तों के साथ टहनियां लेकर बच्चों की आंखे बंद करके टहनियों को हिलाएं जिसमें आवाज आएगी (सुनना)
- जमीन पर उगे पेड पौधो को हिलता हुआ दिखाकर (देखना)
- अलग क्या है ?

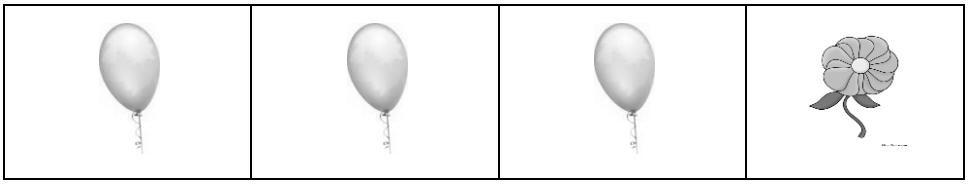

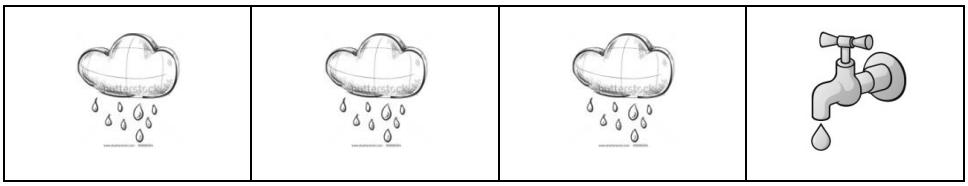

**11:45 से 12:15**

शारीरिक विकासः– <u>चलना/ संतुलन बनाना</u>

जमीन पर आडो–टढो रेखाएं लगाकर बच्चों को उस पर चलने को कहें। एक कटोरी में पानी लेकर बच्चों के हाथ में दें और चलने को कहें, पानी न गिरे।

सिर पर कापी रखकर बच्चे को रस्सी पर चलने को कहें।

**<u>12:15 से 12:45</u>**

भाषा विकासः– <u>कविता/कहानी/पहेली</u>

कविता 'कुंए का ठण्डा पानी' व पहेली को कार्यकर्ता अपने साथ करवायें।

कुंए का ठण्डा पानी, पीपल की छांव में।
आजा परदेसिया आजा मेरे गांव में।
छोट से गिलास में पानी पिलाऊंगी,
पी जा परदेसिया, आ जा मेरे गांव में।
कुंए का ठण्डा पानी––––––––––
छोटो सी प्लेट में खाना खिलाऊंगी,
खा जा परदेसिया, आजा मेरे गांव में।
कुंए का ठण्डा पानी––––––––––
छोट से बगीचे में तुझको घुमाऊंगी,
घूम जा परदेसिया आ जा मेरे गांव में।
कुंए का ठण्डा पानी, पीपल की छांव में।

पहेली– लाल घोडा रुका था,
काला घोडा भागता जाए। बोलो क्या ? उत्तर– आग/धुंआ

**12:45 से 01:15**

सृजनात्मक विकासः रंग भरना/चित्रकला

फूल का चित्र बनाकर उसमें रंग भरवांए–

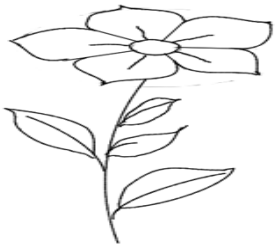

**01:15 से 01:45**

सामाजिक व भावनात्मक विकासः–

कहानी 'मूर्ख कौवा' को कार्यकर्ता स्टोरी चाट द्वारा करवायें।

एक कौवा कहीं से मांस का टुकडा उठा लाया और एक वृक्ष की डाल पर जा बैठा। वृक्ष के नीचे एक लोमडो बैठी थी जो मांस के टुकड को देखकर लालच में आ गई और वह सोचने लगी कि किस तरह कौए की चोंच से मांस का यह टुकडा हथियाऊं और खा जाऊं।

सोचते–सोचते लोमडो की समझ में एक उपाय आया। उसने कौए से कहा, '' वाह–वाह, कितने सुन्दर हो तुम। कितना प्यारा मालूम होता है तुम्हारा यह काला चमकीला रंग। जो देखे बस दखता ही रह जाए। भाई, तुम्हारी चोंच की मैं क्या बढाई करुं। वह जैसी लम्बी है वैसी ही नुकीली है। आंखे भी कैसी बडो और गोल–गोल है। पंख तो तुम्हारे ऐसे चिकने है कि मखमल को भी मात करते हैं। परन्तु दुख की बात यही है कि तुम्हे बिल्कुल गूंगा बनाकर छोडा है। बताओ, तुम्हारी भलाई के लिए मैं क्या करुं ?''

लोमडो के मुंह से अपनी प्रशंसा सुनी तो कौवा फूलकर कुप्पा हो उठा। परन्तु उसने सोचा, यह लोमडो भी कितनी बेवकूफ है– मुझे गूंगा समझती है। यदि इसे अपनी मनोहर बोली सुना दूं ता क्या हानि है ? यह भी क्या कहेगी कि मैने कौए की कैसी प्यारी बोली सुनी थी।

यह सोचते ही कौए ने चोंच खोलकर कांव–कांव की आवाज लगाई। बस मांस का टुकडा उसकी चोंच से छूट कर धरती पर जा गिरा। लोमडो ने टुकडा लपककर खा लिया और हंसते–हंसते बोली, ''समझ गई, समझ गई। कौए भाई, तम गूंगे नहीं हो। अच्छी तरह बोलना जानते हो। परन्तु थोडो–बहुत बुद्धि भी रखते हो या नहीं ?''

कौए की आंखे खुल गईं उसने दुखी हो कर कहा, ''सच है, यदि मुझ में तनिक भी बुद्धि होती, तो तुम मेरे मुंह का कौर कैसे छीन लेती ? जो प्राणी प्रशंसा का भूखा रहता है वह हमेशा इसी तरह ठगा जाता है।

**01:45 से 02:00**

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले निम्न प्रार्थना करवाएं।

खाने का समय हो गया। हम सारे मिलकर खाएंगे।
हाथ भी धोया, मुंह भी धोया। हम खाने को तैयार हैं।
खाने का समय हो गया। हम सारे मिलकर खाएंगे।
चम्मच से खायेंगे, नीचे नहीं गिराएंगे। जठा नहीं बचाएंगे।
खाने का समय हो गया। हम सारे मिलकर खाएंगे।
ओम् शान्तिः शान्तिः शान्तिः

**********

# माह– अगस्त

## विषय : हमारा परिवेश

प्रथम सप्ताह
मंगलवार

साप्ताहिक विषय : धरती
दैनिक विषयः मिटटो, पत्थर व रेत

समय — गतिविधियां

**10:00 से 10:30**

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

**10:30 से 10:45**

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

**10:45 से 11:15**

विषय आधारितम वार्तालापः–

आंगनवाडी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चा, से पूछें कि मिटटो पत्थर व रेत कहां मिलती है ? मिटटो में क्या–2 उपजता है ? फिर बताएं कि कच्चा घर बनाने के लिए मिटटो का प्रयोग किया जाता है। पक्का घर बनाने के लिए पत्थर, रेत का प्रयोग किया जाता है।

**11:15 से 11:45**

बौद्धिक विकासः– परिकल्पना : रंगो का ज्ञान– *(विधि – पृथकीकरण, छांटना व कमबद्ध)*

*पहले पिछले कल करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें*

(3–5+ आयु वर्ग)

- खेल करवाएंः– Traffic light game
  बच्चों को यातायात के नियमों का पालन करते हुए खेल करवाएं, जैसे– हरे रंग के संकेत के साथ बच्चे दौड़ें या चल फिर सकते हैं। पीले रंग के संकेत पर बच्चे तैयार मुद्रा में रह कर चलने की प्रतिक्षा कर सकते हैं तथा लाल रंग के संकेत का अर्थ होगा कि बिना कोई हरकत किये खड़े रहना होगा।
- रंग बिरंगे पत्थर छांटने को दें।

- रिक्त स्थान पर किस रंग का पत्थर आएगा ?

| | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|
| लाल पत्थर | काला पत्थर | सफेद पत्थर | ? | काला पत्थर | सफेद पत्थर |

- लकडी के थोडे बुरादे को अलग–2 रंग में भिगोकर अलग–2 रंगो की मिट्टी की पहचान करवायें।

**11:45 से 12:15**

शारीरिक विकासः– भागना / दौड़ना

पिट्ठु खेल द्वारा व चूहा दौड बिल्ली आई खेल द्वारा।

**12:15 से 12:45**

भाषा विकासः– कविता / कहानी / पहेली

कविता 'कुंए का ठण्डा पानी' व पहेली की कार्यकर्ता अपने साथ दोहराई करवायें।

**12:45 से 01:15**

सृजनात्मक विकासः– छापना एवं पेन्टिग

- कागज को मोडकर उसके बाद खोलकर उस पर पेंटिंग करवायें।
- सब्जियों व पतों से ठप्पे लगवाएं।

**01:15 से 01:45**

सामाजिक व भावनात्मक विकासः–

कहानी 'मूर्ख कौवा' की दोहराई कार्यकर्ता फ्लैश कार्ड द्वारा करवायें।

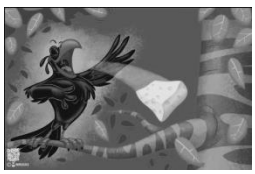

**01:45 से 02:00**

पोषाहार वितरणः– बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

# माह– अगस्त

## विषय : हमारा परिवेश

प्रथम सप्ताह — साप्ताहिक विषय : धरती

बुधवार — दैनिक विषयः पहाड,मैदान व रेगिस्तान

पहाड

मैदान

रेगिस्तान

समय — गतिविधियां

**10:00 से 10:30**

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

**10:30 से 10:45**

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

**10:45 से 11:15**

विषय आधारितम वार्तालापः–

आंगनवाडी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों से पूछें कि पहाड देखें हैं ? जहां पेड–पौधे होते हैं। रेत से भरी भूमि रेगिस्तान होती है। आप के आस पास में खेलने की कोई खुली जगह या मैदान है ? फिर बताएं कि पहाड मैदान रेगिस्तान में क्या अन्तर है और कैसे हमारे जीवन में उनका महत्व है ?

**11:15 से 11:45**

बौद्धिक विकासः परिकल्पना : आकृति ज्ञान– *(विधि–मिलान, विभेदीकरण, ग्रुपिंग)*

*पहले पिछले दो दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें*

(3–5+ आयु वर्ग)

- खेल करवाएंः– जमीन पर गोल, त्रिकोण व चौकोर आकृति बनाएं– दौड़ो बच्चो दौड़ो, पहाड़ों में आग लगी। गोल में तो सभी बच्चे गोल वाली आकृति में आएं। फिर कहे– दौड़ो बच्चो दौड़ो, पहाड़ों में आग लगी। चौकोर में तो सभी बच्चे चौकोर आकृति में आ जाएं। इसी तरह खेल आगे बढ़ाएं।
- मिलान– एक जैसी आकृति की वस्तुओं/चित्रों का मिलान करवाएं

| | |
|---|---|
| त्रिकोण पहाड | गेंदे का फूल |

| | |
|---|---|
| <br>गेंदे का फूल | <br>लम्बी नदी |
| <br>लम्बी नदी | <br>त्रिकोण पहाड |

- बच्चों को विभिन्न प्रकार के आकार देंगे जैसे– पहाड, मैदान आदि। फिर उन्हे अलग–2 करने को कहेंगे।

**11:45 से 12:15**

शारीरिक विकासः– उछलना/कूदना

(3–5+आयु वग)

सभी बच्चों को खडा करेंगे। आधे बच्चों को मैदान का नाम देगे और आधे बच्चों को पहाड। फिर कार्यकर्ता डफली बजाकर बच्चों को कहेगी– मैदान, तो मैदान नाम वाले बच्चे उछलेंगे। जब कहेगी–पहाड, तो पहाड नाम वाले बच्चे उछलेंगे। जब कार्यकर्ता कहेगी एक कदम पहाड तो पहाड बने बच्चे एक कदम आगे कूदेंगे। जब कार्यकर्ता कहे दो कदम मैदान तो मैदान बने बच्चे दो कदम आगे कूदेंगे।

**12:15 से 12:45**

भाषा विकासः– कविता/कहानी/पहेली

कविता 'कुंए का ठण्डा पानी' व पहेली की कार्यकर्ता समूह में दोहराई करवायें।

**12:45 से 01:15**

सृजनात्मक विकासः– फाड़ना/चिपकाना

1. पहाड का चित्र बनाकर उसमें बच्चों से पत्तियां चिपकाने को कहें।
2. मैदान के लिए कागज पर मिट्टी चिपकवायें।

**01:15 से 01:45**

सामाजिक व भावनात्मक विकासः–कहानी 'मूर्ख कौवा' की दोहराई कार्यकर्ता कठपुतली/हैंड पपट द्वारा करवायें।

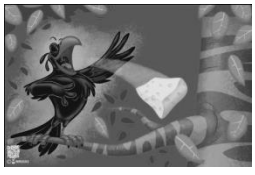

**01:45 से 02:00**

पोषाहार वितरणः– बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

# माह– अगस्त

## विषय : हमारा परिवेश

प्रथम सप्ताह — साप्ताहिक विषय : धरती

वीरवार — दैनिक विषयः खनिज पदार्थ

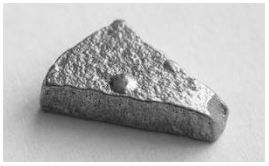

समय — गतिविधियां

**10:00 से 10:30**

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

**10:30 से 10:45**

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

**10:45 से 11:15**

विषय आधारितम वार्तालापः–

आंगनवाडी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों से पूछे कि किस–2 की मम्मी गहने पहनती है क्या पहनती है ? जैसे– चूडो, बाली, पायल आदि किस रंग के है ? बर्तन किस रंग के हैं ? तांबे, पीतल, स्टील के बर्तनों के रंग बताएं व बातचीत करें।

**11:15 से 11:45**

बौद्धिक विकासः– परिकल्पना : पुर्व संख्याबोधः– छोटा–बड़ा, मोटा–पतला, लम्बा–छोटा

*(विधि–मिलान, विभेदीकरण, ग्रुपिंग)*

*पहले पिछले तीन दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें*

(3–5+ आयु वर्ग)

- अलग क्या है ?

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| सोने का कड़ा | सोने का कड़ा | सोने का कड़ा | सोने का कड़ा | सोने की अंगूठी |

- अलग क्या है ?

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| सोने का कड़ा | 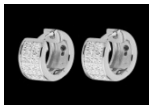 सोने की बाली | चॉदी की पॉजेब | सोने का हार | सोने की अंगूठी |

- एक आकार की वस्तुओं/चित्रों का मिलान करवाएं

बडा लोटा

छोटी बाली

छोटी थाली

बडा गिलास

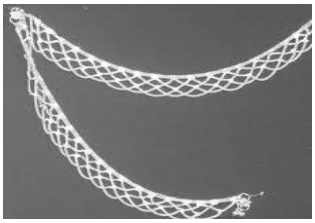
लंबी पायल

लम्बी माला

**<u>11:45 से 12:15</u>**

शारीरिक विकासः— <u>रेंगना/लुढकना</u>

बच्चों को सांप,मेंढक, व छिपकली की तरह रेंगने का अभ्यास करवायेंगे।
सीढीयां चढना, उतरना।
गोला बनाकर बच्चों को इन और आउट खिलायेंगे।
इन बोलेंगे तो बच्चा गोले के अन्दर जाएगा और आउट बोलेंगे तो बच्चा गोले के बाहर आएगा।

**<u>12:15 से 12:45</u>**

भाषा विकासः— <u>कविता/कहानी/पहेली</u>

कविता 'कुंए का ठण्डा पानी' व पहेली की कार्यकर्ता एकल दोहराई करवायें।

**12:45 से 01:15**

सृजनात्मक विकासः— पिरोना / छांटना

छेदों वाले गत्त में, आकृति के रुप में धागा पिरोने को कहें।

**01:15 से 01:45**

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

कहानी 'मूर्ख कौवा' की दोहराई नाटकीकरण द्वारा करवायें।

**01:45 से 02:00**

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

# माह– अगस्त

## विषय : हमारा परिवेश

प्रथम सप्ताह — साप्ताहिक विषय : धरती

शुक्रवार — दैनिक विषयः पेड–पौधे

समय — गतिविधियां

**10:00 से 10:30**

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

**10:30 से 10:45**

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

**10:45 से 11:15**

विषय आधारितम वार्तालापः–

आंगनवाडी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों से पूछें कि किस–2 के घर के पास पेड़–पौधे हैं किस–2 ने कौन–2 सा पेड़ देखा है ? घर में कौन से पौधे लगे हुए हैं, इत्यादि। फिर बताएं कि जिस प्रकार जमीन पर पैदा होने वाली वस्तुएं हमारे लिए महत्वपूर्ण है उसी तरह पेड–पौधे भी हमारे जीवन के लिए जरुरी हैं। पेडों से हमें हवा, फूल, फल मिलते हैं। सांस लेने के लिए हवा मिलती है। यदि पेड पौधे न हो तो आसमान से बारिश नहीं होगी।

कविता बुलवाएं–वह देखो इक सुन्दर पेड, हरा भरा लहराता पेड।
पत्ते हरे–हरे हैं इसके, धूम में हरदम छाया करते।
हर प्राणी को देता वायु, जीवन सुन्दर लम्बी आयु।
पेडों को तुम नहीं काटना, खूब लगाना नहीं छांटना।

**11:15 से 11:45**

बौद्धिक विकासः– परिकल्पना : क्रमबद्ध सोच

*पहले पिछले चार दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें*

(3–5+ आयु वर्ग)

- रिक्त स्थान पर क्या आएगा ?

| | | | |
|---|---|---|---|
| | | ? | |

- आगे क्या आएगा–

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| | 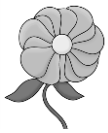 | | | ? |

**11:45 से 12:15**

शारीरिक विकासः– गेंद के खेल

(3–4 आयु वर्ग)

छोटी–2 गेंदों को गत्त या कापी से धीरे–2 उछालने को कहें।

**12:15 से 12:45**

भाषा विकासः– कविता/कहानी/पहेली

कविता 'कुंए का ठण्डा पानी' व पहेली की कार्यकर्ता एकल दोहराई करवायें।

**12:45 से 01:15**

सृजनात्मक विकासः– मिट्टी/पानी के खेल

- मिट्टी में बीज बोयें व उनमें बच्चों से पानी डलवायें।
- पेड पौधों और फूलों, फलों के फलैश कार्ड देकर उन्हें अलग–2 करवायेंगे।

**01:15 से 01:45**

सामाजिक व भावनात्मक विकासः–

कहानी 'मूर्ख कौवा' की दोहराई मुखौटों से नाटकीकरण द्वारा करवायें।

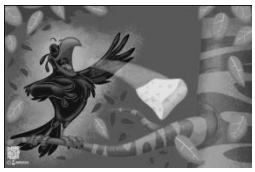

**01:15 से 01:45**

पोषाहार वितरणः– बच्चों को लाईन लगाकर हाथ धोने को कहें व गोलाकार में बिठाकर खाने से पहले को कोई भी प्रार्थना करवाकर पोषाहार खिलाएं।

//**********//

# माह– अगस्त
## विषय : हमारा परिवेश

दूसरा सप्ताह — साप्ताहिक विषय : पानी
सोमवार — दैनिक विषय : नदियां

समय — गतिविधियां

**10:00 से 10:30**

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

**10:30 से 10:45**

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

**10:45 से 11:15**

विषय आधारितम वार्तालापः–

आंगनवाडी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों से पूछें कि आप सब नहाते किस–किस से है पानी कहां से मिलता है ? जब बारिश होती है तो पानी कहां जाता है ? फिर बताएं कि बारिश का पानी नदी में जाता है उसके पश्चात कहां–2 जाता है, यह बताना है। सारी बाते बताते हुए बच्चों को विषय तक ले जायेंगे। पानी किस–2 काम आता है ? किसी ने कोई नदी देखी है ? नदी में कितना पानी होता है ? इत्यादि जानकारी भी दें।

बौद्धिक विकासः– परिकल्पना : स्पर्श / गंध *(विधि–पृथकीकरण, छांटना व क्रमबद्ध)*

(3–4 आयु वर्ग)

- खेल करवाएंः– Ice, water Game-
  एक बच्चे की बारी होगी वह जिस भी बच्चे को छूएगा तो बोलेगा– Ice (बर्फ) फिर वह बच्चा बैठ जाएगा। अन्य बच्चे दौड़ते हुए बैठे हुए बच्चे को छूएंगे और बोलेंगे– water (पानी) तो बैठा हुआ बच्चा भी दौड़ेगा।
- ठण्डा पानी व गर्म पानी स्पर्श करके, पानी में चीनी घोल कर व नमक घोल कर बच्चों को चखवायेंगे, स्वाद का पता चलेगा। नदी का गन्दा

पानी एक गिलास में लाना है और एक गिलास में साफ पानी रखना है दोनो को दिखाना है।

- बच्चों के सामने पानी और पत्थर रखकर उन्हें छू कर बताने को कहें कि उन्हे स्पर्श से क्या महसूस हुआ ?
  (3–5+ आयु वर्ग)
- छः गिलास लें तीन गिलास में अधिक पानी, दो में कम और एक खाली गिलास को नीचे दिए गए क्रम में रखें। खाली गिलास में बच्चे से पानी डालने को कहें।

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| गिलास में कम पानी | गिलास में ज्यादा पानी | गिलास में कम पानी | ? खाली गिलास | गिलास में कम पानी |

**11:45 से 12:15**

शारीरिक विकासः– चलना/संतुलन बनाना

(3–5+ आयु वर्ग)

- पानी से भरी कटोरी को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने को कहें।
- एक बडी लम्बी लाईन चाक से बनाकर उस पर बच्चों को चलने के लिए कहें जो लाईन से हटगा वो खेल से बाहर हो जाएगा।

**12:15 से 12:45**

भाषा विकासः– कविता/कहानी/पहेली

कविता 'एक समुन्दर' व पहेली को कार्यकर्ता अपने साथ करवाये।

एक समुन्दर जिसके अन्दर रहती थी मछली रानी
शीशे जैसा उजला पानी, सीपी जैसी मछली रानी
छल–छल करता उजला पानी
छम–छम नाचे मछली रानी

पहेली– लम्बी पतली कल–कल करती, सागर में मिल जाती हूं
सर्दी–गर्मी कोई भी मौसम सबकी प्यास बुझाती हूं।
बोलो क्या ? उत्तर–नदी

**12:45 से 01:15**

सृजनात्मक विकासः रंग भरना/चित्रकला

(3–5+ आयु वर्ग)

- चित्रकला, रंग भरना।
- बच्चों को पशु–पक्षियों का चित्र बनाकर दं उसमें रंग भरने को दें। आम व सेब के चित्र बनाएं। बचों को नली में रंग भरके उसको फूंकने

को कहें। चित्र बनाने के लिए कहें। कागज पर रंग डालकर चार भागों में मोडकर चित्र बनाएं।

**01:15 से 01:45**

सामाजिक व भावनात्मक विकासः–

कहानी 'दो मित्र और भालू' आंगनवाड़ी कार्यकर्ता स्टोरी चार्ट द्वारा करवाएं।

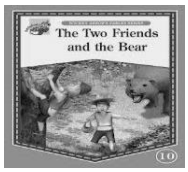

दो मित्र एक साथ जंगल की राह से कहीं जा रहे थे। अचानक उनको एक भालू आता हुआ दिखाई दिया। अब तो वे बहुत घबराए और आपस में सलाह करने लगे, '' बताओ क्या किया जाए ? अब प्राण कैसे बचें ? भालू अभी आएगा और हम दोनों को जिन्दा न छोड़ेगा।''

उनमें से एक मित्र बहुत चालाक था। यह तेजी से दौड़ भी सकता था और वह इसलिए जल्दी जल्दी यहां जा, वहां जा' कह कर एक पेड़ पर चढ़ा उसने जरा यह भी न सोचा कि मेरा मित्र अकेला रहेगा, तो भालू के सामने उसकी क्या दशा होगी।

दूसरा मित्र बिल्कुल सीधा–सादा था वह न तो तेजी से दौड़ सकता था और न ही पेड़ पर चढ़ सकता था। उसने सुना था कि भालू मरे हुए आदमी को नहीं छेड़ता उसे देखकर चुपचाप चला जाता है। बस वह सांस रोक कर धरती पर लेट गया। इस तरह, जैसे वह सचमुच मर गया हो।

इतने में भालू उस सीधे–सादे मित्र के पास पहुंचा। वह थोड़ी देर तक उसके मुंह, नाक, कान आदि अंग सूंघता रहा। फिर उसे मरा हुआ समझ कर अपनी राह चला गया।

भालू के जाते ही वह चालाक मित्र पेड़ से नीचे उतरा, अपने सीधे–सादे मित्र के पास आया और हंसते–हंसते बोला, ''यार तुमने तो भालू से भी मित्रता जोड ली। भला वह तुम्हारे कान में धीरे–धीरे क्या कह रहा था ?

सीधे–सादे मित्र ने कहा, '' अब यह न पूछो। भालू बड़े काम की बात कह गए, बड़े काम की बात।''

चालाक मित्र फिर बोला, ''तब तो यार मुझे भी बताओ। देखो मैं तुम्हारा मित्र हूं। मुझसे छिपाओ मत।''

सीधे–सादे मित्र ने उत्तर दिया, ''अच्छा तो सुनो। भालू मुझसे यह कह गया कि जो मित्र अपने विपत्ति में पड़े मित्र को छोड़ कर चल देता है, वह मित्र नहीं है। उस पर भरोसा करना भूल है। मित्र तो वह है जो विपत्ति में काम आए।

**01:45 से 02:00**

पोषाहार वितरणः– बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

**********

# माह– अगस्त
## विषय : हमारा परिवेश

दूसरा सप्ताह — साप्ताहिक विषय : पानी
मंगलवार — दैनिक विषयः झरने,नाले

समय — गतिविधियां

**10:00 से 10:30**

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

**10:30 से 10:45**

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

**10:45 से 11:15**

विषय आधारितम वार्तालापः–

आंगनवाडी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों से बातचीत करें कि सबको पानी कहां से मिलता है, क्या पानी नल के अतिरिक्त कहीं और से भी मिलता है ? क्या किसी ने नदियां,बांवडो, कुंए, तालाब, झरना व नाला इनमें से कुछ देखा हुआ है? किस–2 ने क्या–2 देखा है ? आपको पता है कि ऊंचे पहाडों से गिरता पानी झरना होता है।

**11:15 से 11:45**

बौद्धिक विकासः– परिकल्पनाः रंगो का ज्ञान– *(विधि – मिलान, विभेदीकरण, ग्रुपिंग)*

*पहले पिछले कल करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें*

(3–5+ आयु वर्ग)

- खेलः– बच्चों के सामने विभिन्न रंगों की कारें रखें फिर कार्यकर्ता बोले–Tippy-2 tap. तो बच्चे बोले– What colour you want ?
  कार्यकर्ता बोले– I want red colour. तो सभी बच्चे red colour की कार बताएंगे.....ऐसे ही अलग–2 रंगों का नाम लेते हुए खेल को बढ़ाते जाएं।
- अलग–2 गिलासों में पानी के अलग–2 रंग घोले व पहचान करवायें।
- एक समान जूस के गिलासों का मिलान करवाएं

ऑरेन्ज जूस

मैंगो जूस

लीची जूस

एप्पल जूस

मैंगो जूस

ऑरेन्ज जूस

एप्पल जूस

लीची जूस

**11:45 से 12:15**

शारीरिक विकासः— भागना/ दौडनाः

(3—5+ आयु वर्ग)

- पानी की कटोरी रखकर हाथ पर, संतुलन बनाकर दौड लगवायें।
- पानी का गिलास भरकर मेज पर रखवायें फिर बच्चों को बिना हाथ लगाये गिलास से पानी पीने को कहें, सबसे पहले पानी पीने वाला बच्चा दौड लगाकर वापिस आएगा तो वह विजेता घोषित होगा।

**12:15 से 12:45**

भाषा विकासः— कविता/कहानी/पहेली

कविता 'एक समुन्दर' व पहेली को कार्यकर्ता अपने साथ करवाये।

**2:45 से 01:15**

सृजनात्मक विकासः— छापना एवं पेन्टिग—

(3—5+ आयु वर्ग)

- रंग में धागा भिगोकर कागज पर खींच कर पेन्टिग बनवायें।
- पत्तो व फूलों का छापा लगवायें।
- घास रंग में भिगोकर झरने के आकार का छापा लगवायें।

**01:15 से 01:45**

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

कहानी 'दो मित्र और भालू' की दोहराई फलैश कार्ड द्वारा कराएं।

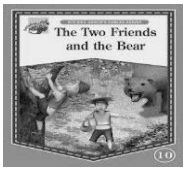

**01:45 से 02:00**

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

# माह– अगस्त

## विषय : हमारा परिवेश

दूसरा सप्ताह — साप्ताहिक विषय : पानी

बुधवार — दैनिक विषयः तालाब,झील और कुंए

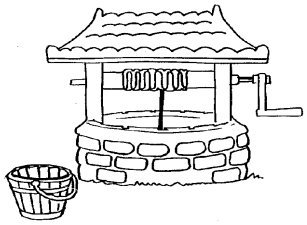

समय — गतिविधियां

**10:00 से 10:30**

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः–स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

**10:30 से 10:45**

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

**10:45 से 11:15**

विषय आधारितम वार्तालापः–

आंगनवाडी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः–बच्चों से पूछें कि घर के आस–पास पानी के स्त्रोत कौन–2 से है ? घर में पानी, किस के द्वारा पहुंचता है ? जानवर पानी कहां पीते हैं ? इस तरह उन्हे विषय तक ल जायें तथा तालब, झील और कुएं के बारे में चित्रों के माध्यम से बताएं।

**11:15 से 11:45**

बौद्धिक विकासः परिकल्पनाः आकृति का ज्ञान– *(विधि–पृथकीकरण, छांटना व कमबद्ध)*

*पहले पिछले दो दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें*

(3–5+ आयु वर्ग)

- खेल करवाएंः– जमीन पर विभिन्न प्रकार की आकृतियां बनाएं– जब कार्यकर्ता बोले–तालाब तो सभी बच्चे तालाब वाली आकृति में आएं। फिर कहे– नदी तो सभी बच्चे नदी वाली आकृति में आ जाएं। इसी तरह खेल आगे बढ़ाएं।
- कुछ बच्चों को घेरे में और कुछ बच्चों को चौकोर आकृति में खडा करें। जब कार्यकर्ता बोले–तालाब। तो चौकोर आकृति वाले बच्चे घूमे। जब कार्यकर्ता बोले– कुआं तो घेरे में खडे बच्चे घूमे।
- बहुत सी आकृतियों के कार्ड देकर बच्चों को निर्देशानुसार कार्ड छांटने को कहें जैसे– कार्यकर्ता बोले–गोल तो बच्चा गोल आकृति का कार्ड निकाले।

- अलग क्या है

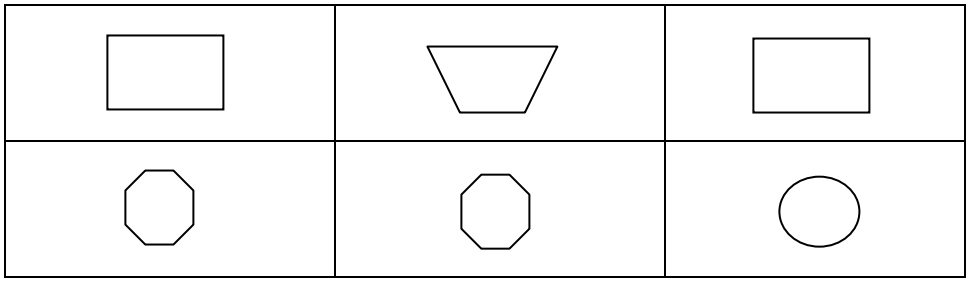

**11:45 से 12:15**

शारीरिक विकासः— उछलना/कूदना

(3—5+आयु वग)

- बच्चों को श्यामपट्ट पर बनी आकृति देखकर उनसे नकल करने को कहें।

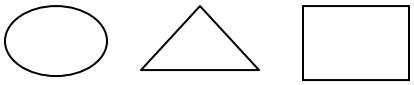

- आकृतियां बनाकर बच्चों को आकृति का नाम लेने पर उस आकार में जाने को कहें। जैसे— गोल बोलने पर सभी बच्चे गोलाकार में इकटठे हो जायें।

**12:15 से 12:45**

भाषा विकासः— कविता/कहानी/पहेली

कविता 'एक समुन्दर' व पहेली की दोहराई कार्यकर्ता समूह में करवाये।

**12:45 से 01:15**

सृजनात्मक विकासः— फाडना/चिपकाना

- आकृति बनाकर बच्चों से रंग—बिरंगे कागज फाडकर चिपकवायें। कागज या गत्त पर बनी विभिन्न वस्तुओं की आकृतियों को अलग भागों में कटवायें।
- पतली लकडी, सींक के छोट—2 टुकडे करवा कर आकृति की रुपरेखा पर रखवाएं।

**01:15 से 01:45**

सामाजिक व भावनात्मक विकासः— कहानी 'दो मित्र और भालू' की दोहराई हैंड पपेट/कठपुतली द्वारा करवायें।

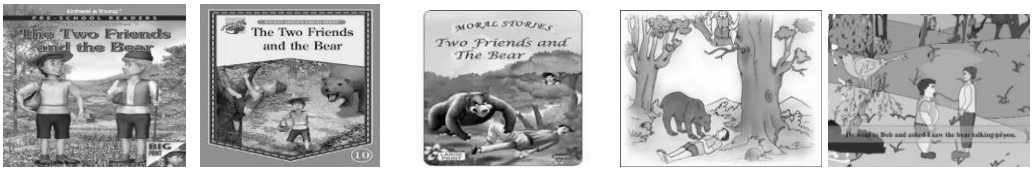


**01:45 से 02:00**

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

# माह– अगस्त

## विषय : हमारा परिवेश

दूसरा सप्ताह — साप्ताहिक विषय : पानी

वीरवार — दैनिक विषयः समुद्र

समय — गतिविधियां

**10:00 से 10:30**

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

**10:30 से 10:45**

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

**10:45 से 11:15**

विषय आधारितम वार्तालापः–

आंगनवाडी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों से चर्चा करें कि नदी, झरना, तालाब किसने देखा है ? इसका पानी कहां जाता है ? फिर बताएं वह समुद्र में जाता है इसलिए बच्चों को खारे पानी के बारे में भी बताएं।

**11:15 से 11:45**

बौद्धिक विकासः– परिकल्पनाः समय / दूरी / दिशा– *(विधि–आगे–पीछे, पहले–बाद में, दांए–बांए)*

*पहले पिछले तीन दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें*

(3–5+ आयु वर्ग)

- खेल करवाएंः– नाव का खेल
  हईया हो हईया पानी में चली मेरी छोटी सी नैया।
  आगे को चली, पीछे को चली, ऊपर को चली,
  नीचे को चली नाव.....
  दॉए को चली, बांए को चली नाव चली
  हईया हो हईया.....
- 
- कार्यकर्ता कागज पर नदी बनाएगी और उसके किनारे दो पेड बनाएगी जिसमें एक गिरता हुआ और दूसरा सीधा पेड बनाए तथा बच्चों से कहें कि पहले कौन सा पेड नदी में गिरेगा।

- कार्यकर्ता बच्चों के साथ एक गतिविधि करे जिसमें जब कार्यकर्ता समुद्र बोले तो बच्चे अपने दायीं ओर चलें और जब नाव बोले तो बाईं ओर चले।

**11:45 से 12:15**

शारीरिक विकासः— रेंगना, लुढकना

(3—5+ आयु वर्ग)

रेंगना, लुढकना। बच्चों को साप की तरह रेंगने के लिये कहेंगे। बच्चों को उछलना सिखायेंगे। बच्चों को मेंढक की तरह उछल कर आगे बढने को कहेंगें। बच्चों को कलाबाजियां खिलायेंगे इससे उनकी बडी मांसपेशियों का विकास होगा।

**12:15 से 12:45**

भाषा विकासः— कविता / कहानी / पहेली

कविता 'एक समुन्दर' व पहेली की दोहराई कार्यकर्ता एकल में करवाये।

**12:45 से 01:15**

सृजनात्मक विकासः— पिरोना / छांटना

- पानी से भरे बर्तन में मोती, पत्थर, पत्तियां डाले फिर छांटने को कहें।
- मोती व पत्ते धागे में पिरोयें।

**01:15 से 01:45**

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

कहानी 'दो मित्र और भालू' की दोहराई नाटकीकरण द्वारा करवायें।

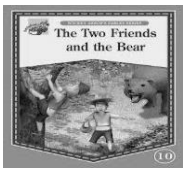

**01:45 से 02:00**

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

# माह– अगस्त
## विषय : हमारा परिवेश

दूसरा सप्ताह — साप्ताहिक विषय : पानी

शुक्रवार — दैनिक विषयः रक्षाबन्धन

समय — गतिविधियां

**10:00 से 10:30**

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

**10:30 से 10:45**

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

**10:45 से 11:15**

विषय आधारितम वार्तालापः–

आंगनवाडो कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों से रक्षाबन्धन के बारे में बातचीत करें कि क्या राखी सबने देखी है ? रक्षाबन्धन के दिन क्या–2 करते हैं ? कौन–2 बहन भाई को राखी बांधती हैं ? राखी के दिन क्या–2 बनाते हैं ?

इस विषय पर कविता भी बुलवाएं–

राखी आई खुशियां लाई, बहन आज फूली न समाई।
राखी रोली और मिठाई, इससे थाली खूब सजाई।

**11:15 से 11:45**

बौद्धिक विकासः– परिकल्पनाः पजल

*पहले पिछले चार दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें*

(3–5+ आयु वर्ग)

बच्चों को राखी बनाना बताएं। सामग्री– रिबन, रंग–बिरंगे सितारे, मोती, शीशे, कागज, स्पंज, धागे आदि।

**11:45 से 12:15**

शारीरिक विकासः— गेंद का खेल

(3–5 आयु वर्ग)

गेंद के खेल– गेंद पानी में उछालें, कैच–2 खिलवायें। टोकरी में गेंद डलवायें।

**12:15 से 12:45**

भाषा विकासः— कविता/कहानी/पहेली

कविता 'एक समुन्दर' व पहेली की दोहराई कार्यकर्ता एकल में करवाये।

**12:45 से 01:15**

सृजनात्मक विकासः— मिटटो/पानी के खेल

- पानी में स्पंज के छोटे–2 टुकडे तैराएं।
- मिट्टी से मिट्टी के खिलौने बनाएं।
- मिट्टी से राखी बनवाएं।

**01:15 से 01:45**

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

कहानी 'दो मित्र और भालू' की दोहराई मुखौटो से नाटकीकरण द्वारा करवायें।

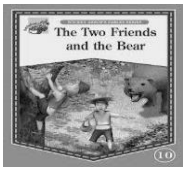

**01:45 से 02:00**

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

# माह– अगस्त
## विषय : हमारा परिवेश

तीसरा सप्ताह — साप्ताहिक विषय : आकाश
सोमवार — दैनिक विषय : सूरज

समय — गतिविधियां

**10:00 से 10:30**

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

**10:30 से 10:45**

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

**10:45 से 11:15**

विषय आधारितम वार्तालापः–

आंगनवाडी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः–बच्चों से आकाश के बारे में पूछें कि आसमान का रंग कैसा होता है और सूरज कहां से निकलता है ? पंछी कहां उडते हैं, हवाई जहाज कहां उडता है और रात में चंदा मामा व तारे कहां चमकते हैं, इत्यादि। फिर पूछें कि दिन में आसमान में क्या चमकता है ? आपको गर्मी किससे लगती है ?

**11:15 से 11:45**

बौद्धिक विकासः– परिकल्पना : श्रव्य/दृश्य– *(विधि–मिलान, विभेदीकरण, ग्रुपिंग)*

(3–5+ आयु वर्ग)

- अलग क्या है ?

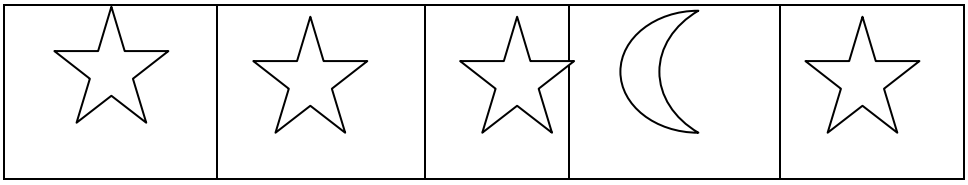

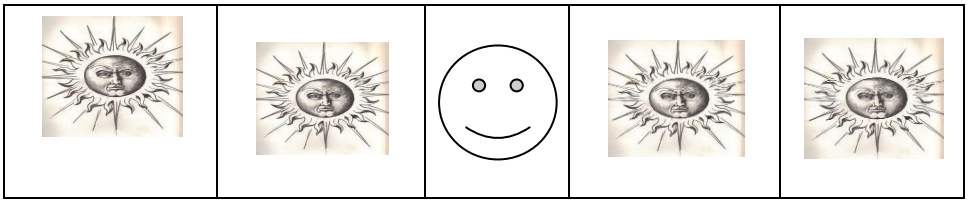

- एक समान आकृतियों का मिलान करवाएं

| | |
|---|---|
| | |
| | |
| | |

**<u>11:45 से 12:15</u>**

शारीरिक विकासः– <u>चलाना/संतुलन बनाना</u>

(3–5+ आयु वर्ग)

कार्यकर्ता बच्चों को गोल दायरे में खडे करेंगे फिर बच्चे खेलेंगे–

सूरज के देश में चंदा के गांव में
सैर करने जाते हैं, हम सैर करने जाते हैं।
अपना दायां हाथ निकालो, थोडा इसे घुमाओ,
फिर थोडा सा घूम जाओ।
सूरज के देश में––––––
अपना बायां हाथ निकालो, थोडा इसे घुमाओ,
फिर थोडा सा घूम जाओ।
सूरज के देश में––––––
अपना दायां पैर निकालो, थोडा इसे घुमाओ,
फिर थोडा सा घूम जाओ।
सूरज के देश में––––––
अपना बायां पैर निकालो, थोडा इसे घुमाओ,
फिर थोडा सा घूम जाओ।
सूरज के देश में––––––

**12:15 से 12:45**

भाषा विकासः— कविता/कहानी/पहेली

कविता 'आसमान है नीला—नीला' व पहेली को कार्यकर्ता अपने साथ करवाये।

आसमान है नीला—नीला, सुन्दर—2 छैल छबीला।
सिर के उपर फैल जाता, जैसे धरती पर कोई छाता।
सूरज चांद सितारों का यह घर है, रहता सदा जल—थल—ऊपर है।
आसमान की नहीं कोई सीमा, कितना उंचा कितना नीमा।
पूर्व से सूरज निकला, पश्चिम में ढल जाता है।
पूर्व पश्चिम उत्तर दक्षिण उजियारा फैलाता है।
सुबह दोपहर शाम रात का चक्कर यही चलाता है।
पहेली— प्यास लगे तो पी लेना
जब भूख लगे तो खा लेना
जब ठण्ड लगे तो जला लेना। बोलो क्या ? उत्तर—नारियल

**12:45 से 01:15**

सृजनात्मक विकासः रंग भरना/चित्रकला

(3—5+ आयु वर्ग)

बच्चों से सूरज चांद व तारों के चित्र बना कर रंग भरवाएं।

**01:15 से 01:45**

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

कहानी 'बकरी और बूढ बाबा की कहानी' को कार्यकर्ता स्टोरी चार्ट द्वारा करवाये।

गांव में एक बकरी थी। उसका नाम चमेली था। उसे हरी घास खाना अच्छा लगता था। एक दिन हरी—हरी घास की तलाश में चमेली अपने गांव से दूर निकल गई। घास खाते—2 जब शाम होने लगी तो उसे गांव की याद आई। वह गांव की तरफ तेजी से चलने लगी। रास्ते मं एक जंगल पडता था, जिसमें बहुत से जानवर रहते थे। चमेली को वहां से गुजरते हुए डर लग रहा था। इतने में उसने सामने से एक भेडिये को आते हुए देखा। वह भेडिये को देख कर बहुत घबराई, डर के मारे कांपने लगी और इधर—उधर भागने लगी। कभी पेड की ओट में छिप जाती है और कभी झाड के पीछे। इसी बीच उसे बूढे बाबा लाठी लिए दिखाई दिये। वह जोर से रोने लगी। मैं मैं मैं..... बकरी की आवाज सुनकर बूढे बाबा ने इधर—उधर देखा तो उन्हे भेडिया दिखाई दिया।

बूढे बाबा ने अपनी लाठी उठाई और भेडिये की अच्छी पिटाई की। भेडिया वहां से भाग खडा हुआ। जान बच जाने पर चमेली ने बाबा का धन्यवाद दिया और खुशी—खुशी अपने गांव लौट आई। फिर एक दिन चमेली गांव के मैदान में घास चर रही थी तो उसने बूढे बाबा को एक पेड के नीचे सोते देखां इसी पेड से एक मोटा सा सांप बूढे बाबा की ओर आ रहा थां चमेली जोर से चिल्लाने लगी—मैं मैं मैं.....और भाग कर नेवले को बुला

लाईं नेवला सांप पर झपटा। खुब लडाई हुई और उसने सांप को मार गिराया। यह शोर सुन बाबा की आंख खुल गई। उन्होने देखा, चमेली ने जहरीले सांप से उनकी जान बचाई। यह देख कर वह बहुत खुश हुए और उन्होने चमेली को बहुत प्यार किया। उस दिन से वह तीनों अच्छे दोस्त बन गए और साथ–साथ रहने लगे।

**01:45 से 02:00**

पोषाहार वितरणः– बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

**********

# माह– अगस्त

## विषय : हमारा परिवेश

तीसरा सप्ताह
मंगलवार

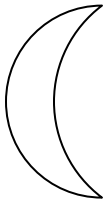

साप्ताहिक विषय : आकाश
दैनिक विषयः चांद

समय

गतिविधियां

**10:00 से 10:30**

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

**10:30 से 10:45**

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

**10:45 से 11:15**

विषय आधारितम वार्तालापः–

आंगनवाडी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चो को पूछें कि चांद किसने देखा है ? चांद का चित्र दिखाते हुए पूछें कि यह कब और कहां निकलता है ? चांद देखने में कैसा होता है व उसका क्या रंग होता है ? क्या चांद का आकार केवल गोल ही होता है या अन्य तरह का भी होता है ? फिर उन्हे बताएं कि पूर्णिमा की रात्री में चांद गोल होता है और कुछ रातों में वह अर्ध गोलाकार के रुप में होता है।

कविता करवाएं–

आसमान में निकले तारे, चंदा मामा कितने प्यारे।
देखो इनकी शान निराली, सूरत कितनी भोली–भाली।
रोज सवेरे छुप जाते हैं, जैसे हम से शरमाते हैं।
आओ चंदा मामा आओ, अपने घर की बात सुनाओ।

**11:15 से 11:45**

बौद्धिक विकासः– परिकल्पनाः रंगो का ज्ञान–*(विधि–पृथकीकरण, छांटना व कमबद्ध)*

*पहले पिछले कल करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें*

(3–5+ आयु वर्ग)

- खेल करवाएंः– दो बच्चे खडे होंगे बाकि बच्चों के नाम रखेंगे– लाल चॉद, पीला चॉद और हरा चॉद इत्यादि। अब खड हुए दोनो बच्चे बोलेंगे– आसमान से आएं हैं, जी–2 किसको लेने आए हो जी–2 पीले चॉद को लेने आए हैं। पीला चॉद बना बच्चा भी उनके साथ खडा होकर यही पंक्तियां कहेगा– आसमान से.....

- बच्चों को चांद की आकृति शादी के कार्ड या अन्य रंगीन कागज पर चांद बनाकर देंगे। अर्ध गोलाकार व अन्य आकृतियां बनाकर उसमें रंग भरकर बच्चों को रंगो का ज्ञान करवाएं। बच्चों को कविता द्वारा भी रंग का ज्ञान करवाएं जैसे तीन गोल आकृतियों में लाल, हरा, पीला रंग भरकर उन्हे दिखाएं।

  लाल, हरा, पीला, लाल बोलो क्या ?
  लाल–लाल सेब है लाल है टमाटर।
  लाल, हरा, पीला, पीला बोलो क्या ?
  पीले–पीले आम है पीला है खरबूजा।
  लाल, हरा, पीला, हरा बोलो क्या ?
  हरे–हरे पेड हैं, हरा है तोता।

- रिक्त स्थान पर कौन से रंग का सूरज आएगा ?

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| लाल सूरज | सफेद सूरज | लाल सूरज | ? | लाल सूरज |

**11:45 से 12:15**

शारीरिक विकासः– भागना/दौड़ना

(3–5+ आयु वर्ग)

चाट के टुकडे पर चांद की आकृति बनाकर एक बडे बच्चे की पीठ पर उसे पिन या किसी धागे से लगाएं और बच्चों को भगाएं और छोट बच्चों को उसे पकडने को कहें। बच्चों को चुहा दौड, बिल्ली दौड वाला खेल भी करवा सकते हैं।

**12:15 से 12:45**

भाषा विकासः– कविता/कहानी/पहेली

कविता 'आसमान है नीला–नीला' व पहेली की दोहराई कार्यकर्ता अपने साथ करवाये।

**2:45 से 01:15**

सृजनात्मक विकासः– छापना/पेंन्टिग

(3–5+ आयु वर्ग)

आसमान का चित्र बनाकर व उसमें चांद सितारे बनाके, बच्चों की उंगलियों में रंग या पेंट लगाकर सितारों पर उंगली लगाने को कहेंगे। और रंगीन पेपर पर सफेद पेंट करने को कहेंगे। बच्चों को सादे कागज पर चांद बनाने को कहं। बच्चों को आलू में चांद का डिजाईन बनाकर रंग लगाकर छापं।

**01:15 से 01:45**

सामाजिक व भावनात्मक विकासः–कहानी 'बकरी और बूढे बाबा की कहानी' को कार्यकर्ता फ्लैश कार्ड द्वारा करवाये।

**01:45 से 02:00**

पोषाहार वितरणः– बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

# माह– अगस्त
## विषय : हमारा परिवेश

तीसरा सप्ताह — साप्ताहिक विषय : आकाश

बुधवार — दैनिक विषयः तारें

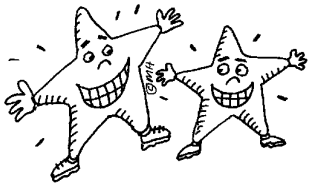

समय — गतिविधियां

**10:00 से 10:30**

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्टगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

**10:30 से 10:45**

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

**10:45 से 11:15**

विषय आधारितम वार्तालापः–

आंगनवाडी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों से पूछें कि क्या किसी ने तारे देखें हैं ? तारे कब निकलते हैं ? फिर बताएं कि तारे रात को निकलते हैं।

कविता भी करवाएं–

आसमान में देखो तारे, टिम–2 करते प्यारे–प्यारे।
शाम हुई तो आ जाते हैं, नभमण्डल में छा जाते हैं।
तारों में तारा ध्रूव तारा, उत्तर दिशा दिखाता प्यारा।

**11:15 से 11:45**

बौद्धिक विकासः परिकल्पनाः आकृति का ज्ञान–*(विधि–मिलान, विभेदीकरण, ग्रुपिंग)*

*पहले पिछले दो दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें*

(3–5+ आयु वर्ग)

- खेल करवाएंः– जमीन पर सूरज, चॉद, बादल व तारे की आकृतियां बनाएं। जब कार्यकर्ता बोले–दिन। तो बच्चे सूरज वाली आकृति में जाएं जब बोले रात तो बच्चे चॉद वाली आकृति में जाएं। जब बोले बारिश तो बादल वाल आकृति में जाए।
- अलग क्या है

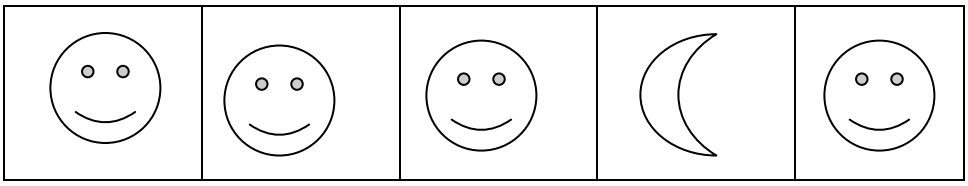

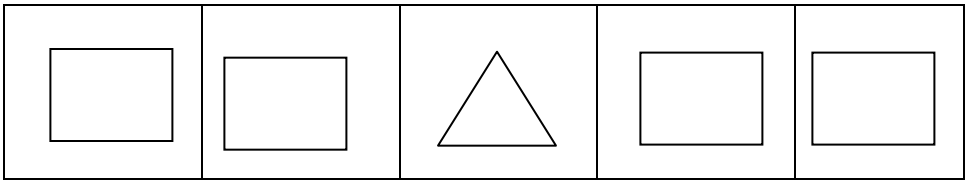

- बच्चों को तारों का चित्र बनाकर आकार का ज्ञान करवाएंगे। दो त्रिभूजो को मिलाकर एक तारा बनता है। गेंद को दिखाकर हम गोल आकार का ज्ञान करवाएंगे। स्लेट या कॉपी के गते को छोटा फुटा दिखाकर आयताकार का ज्ञान करवाएंगे।
- एक समान आकृतियों का मिलान करवाएं

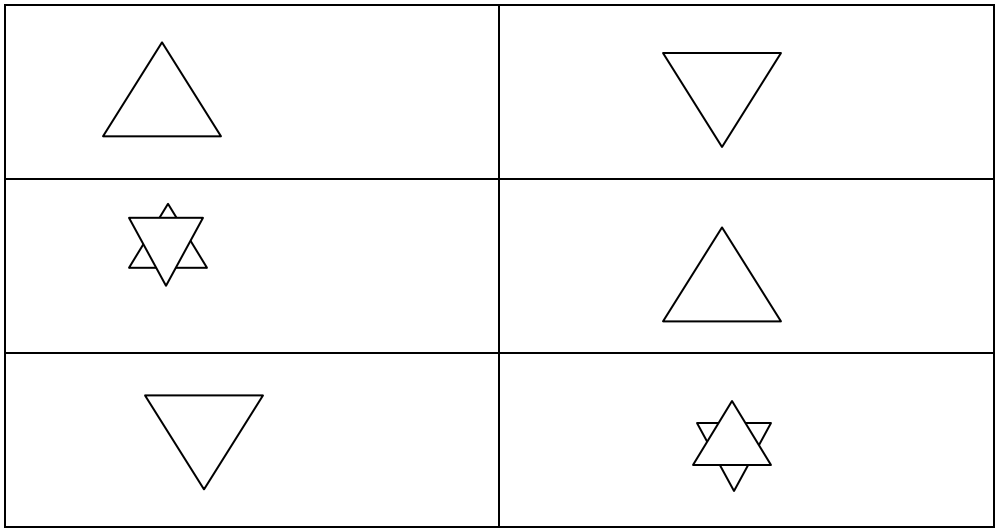

**11:45 से 12:15**

शारीरिक विकासः— उछलना/कूदना

(3—5+आयु वग)

गते के छोट टुकडे को तारे की आकृति बनाकर डोरी में पिनअप करेंगे व बारी—2 बच्चों को उछलकर पकडने के लिए कहेंगे व बच्चों की पीठ पर रंग बिरंगे तारे कागज पर बना कर मेंढक दौड लगवायेंगे।

**12:15 से 12:45**

भाषा विकासः— कविता/कहानी/पहेली

कविता 'आसमान है नीला—नीला' व पहेली की दोहराई कार्यकर्ता समूह में करवाये।

**12:45 से 01:15**

सृजनात्मक विकासः— फाडना/चिपकाना

(3—5+ आयु वर्ग)

सभी बच्चों से कागज के टुकडे फडवाकर तारों के चित्र में चिपकवाएं व तारों का बडा सा चित्र बनाकर बच्चों से माचिस की तिल्लियों को चिपकवाएं।

**01:15 से 01:45**

सामाजिक व भावनात्मक विकासः— कहानी 'बकरी और बूढे बाबा की कहानी' की दोहराई कार्यकर्ता हैंड पपट द्वारा करवाये।

**01:45 से 02:00**

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

# माह– अगस्त
## विषय : हमारा परिवेश

तीसरा सप्ताह — साप्ताहिक विषय : आकाश

वीरवार — दैनिक विषयः स्वतन्त्रता दिवस

समय — गतिविधियां

**10:00 से 10:30**

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

**10:30 से 10:45**

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

**10:45 से 11:15**

विषय आधारितम वार्तालापः–

आंगनवाडी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों को पूछें कि अगर आपको कोई कमरे में बंद कर दे तो कितना रोना आता है ? जब आपको खोल देंगे तो आप कितने खुश होंगे उसे आजादी कहते हैं ऐसे ही देश आजादी का दिन मनाता है, इस दिन मिठाई बांटते हैं, नाच–गाना होता है।

कविता भी बुलवाएं–

तीन रंग का बना तिरंगा, सबसे न्यारा अपना झण्डा।
इसका मान बढाते जाओ, मातृभूमि की शान है झण्डा।
इस झण्डे को शीश नवाओ,
झण्डा कभी न झुकने पाए, चाहे जान भले ही जाए।

**11:15 से 11:45**

बौद्धिक विकासः– परिकल्पना : पुर्व संख्याबोध :– *(विधि–छोटा–बड़ा, मोटा–पतला, लम्बा–छोटा)*
*पहले पिछले तीन दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें*
(3–5+ आयु वर्ग)?

- छोटा पे सही व बडे पर गलत का निशान लगायें।

| | |
|---|---|
| तिरंगा | छोटा तिरंगा |

| | |
|---|---|
| 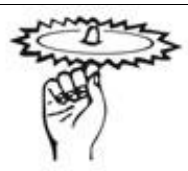 सुदर्शन चक्र | सुदर्शन चक्र |

- कम पर सही ( ) व ज्यादा पर गलत ( ) का निशान लगायें

| | |
|---|---|
| | |
| | |

**<u>11:45 से 12:15</u>**

शारीरिक विकासः— <u>रेंगना/लुढकना</u>

(3—5+ आयु वर्ग)

बच्चों को सांप की तरह रेंगने को कहेंगे। सभी बच्चों की रेलगाडी बना कर सभी को सांप की तरह चलने को कहेंगे

**<u>12:15 से 12:45</u>**

भाषा विकासः— <u>कविता/कहानी/पहेली</u>

कविता 'आसमान है नीला—नीला' व पहेली की दोहराई कार्यकर्ता एकल में करवाये।

**<u>12:45 से 01:15</u>**

सृजनात्मक विकासः— <u>पिरोना/छांटना</u>

(3—5+ आयु वर्ग)

एक कागज पर तारे बनाएंगे सभी बच्चों से गिनवाएं। बच्चों को चाट के माध्यम से अक्षर ज्ञान व अंग्रेजी माला का ज्ञान करवाऐं।

**<u>01:15 से 01:45</u>**

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

कहानी 'बकरी और बूढे बाबा की कहानी' की दोहराई कार्यकर्ता नाटकीकरण द्वारा करवाये।

**<u>01:45 से 02:00</u>**

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

# माह– अगस्त

## विषय : हमारा परिवेश

तीसरा सप्ताह — साप्ताहिक विषय : आकाश

शुक्रवार — दैनिक विषयः बिजली, बादल

समय — गतिविधियां

**10:00 से 10:30**

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

**10:30 से 10:45**

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

**10:45 से 11:15**

विषय आधारितम वार्तालापः–

आंगनवाडी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों को पूछें कि आज मौसम कैसा है ? आज सूरज निकला है या नहीं ? फिर बच्चों को बताएं कि जब बादल होते हैं तो सूरज उसके पीछे छिप जाता है। जब बहुत काले–2 बादल आसमान में एकत्रित हो जाते हैं तो आसमान में बिजली चमकती है जिसे आप लोग कहते हैं कि भगवान ने हमारी फोटो खिंची। उसे बिजली चमकना कहते है। बिजली चमकतो हुई किसने देखी है ? बच्चों को बताएं कि जब बिजली चमकती है तो घर के अन्दर चले जाना चाहिए और टो.वी. तथा फिज आदि बंद रखने चाहिएं नहीं तो यह खराब हो जाते है।

सावन आया उमड बादल, आसमान में घुमडे बादल।

ढम–2 ढोल बजाए बादल, बरखा राग सुनाए बादल।

**11:15 से 11:45**

बौद्धिक विकासः– परिकल्पनाः यादाश्त

*पहले पिछले चार दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें*

(3–5+ आयु वर्ग)

- खेल करवाएंः– कार्यकर्ता जब बोले–बादल तो सभी बच्चे स्वेटर पहनने का अभिनय करें जब बोले–बिजली तो सभी पंखा हिलाने का अभिनय करें।

- बच्चे को मां तक का रास्ता बनाएं

.....

.....

**11:45 से 12:15**

शारीरिक विकासः— गेंद के खेल

(3—5+ आयु वर्ग)

बडे गुब्बारे फुलाकर उसमें बादल की आकृति बनाकर, बच्चों से कैच—2 खिलवायेंगे या गुब्बारे में डोरी बांध कर बच्चों की रेस करवायेंगे।

**12:15 से 12:45**

भाषा विकासः— कविता/कहानी/पहेली

कविता 'आसमान है नीला—नीला' व पहेली की दोहराई कार्यकर्ता एकल में करवाये।

**12:45 से 01:15**

सृजनात्मक विकासः— मिटटो/पानी के खेल

(3—5+ आयु वर्ग)

एक टब में पानी डालकर उसमें सर्फ डालकर, झाग उत्पन्न करें और खाली जूस की पाईप द्वारा फूंक से बुलबुले बनवायें। मिटटो का घर व मिटटो के बर्तन बनवायें।

**01:15 से 01:45**

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

कहानी 'बकरी और बूढे बाबा की कहानी' की दोहराई कार्यकर्ता मुखौटों से नाटकीकरण द्वारा करवाये।

**01:45 से 02:00**

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

# माह– अगस्त

## विषय : हमारा परिवेश

चौथा सप्ताह — साप्ताहिक विषयः प्राणी, जीव–जन्तु

सोमवार — दैनिक विषयः थलचर

समय — गतिविधियां

**10:00 से 10:30**

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

**10:30 से 10:45**

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

**10:45 से 11:15**

विषय आधारितम वार्तालापः–

आंगनवाडी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों से पूछें कि आप धरती पर कौन–2 से जीव–जन्तु देखते हो ? जैसे–पालतु जानवर, जंगली जानवर, कीडे–मकोडे इत्यादि। बच्चों से उनके परिचित जीव–जन्तुओं के नाम पूछें फिर उन्हे बताएं कि वो जमीन पर रहने वाला है या नहीं।

**11:15 से 11:45**

बौद्धिक विकासः– परिकल्पनाः स्पर्श / स्वाद– *(विधि–पृथकीकरण, छांटना व कमबद्ध)*

(3–4 आयु वर्ग)

- खेल करवाएंः– एक फीली बैग में रुई, पत्थर, लकडो आदि डाल कर दें बच्चों को बैग से बिना देखे कार्यकर्ता के निर्देशानुसार चीज निकाल कर देनी है।
- 
- बच्चों को गाय, मुर्गी, बकरी, चूहा, चींटी, कुत्ता इत्यादि के चित्र देकर बडे से छोटे के कम में लगायें

(4–5+ आयु वर्ग)

- अंडा देने वाला और दूध देने वाले जीव जंतु के फ्लैश कार्ड छांटने–ढूंढने को दें।

| दूध देने वाले | अंडा देने वाले |
|---|---|
| 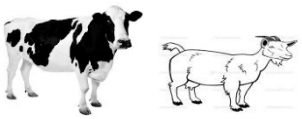 | |

**11:45 से 12:15**

शारीरिक विकासः– चलना/संतुलन बनाना

(3–5+ आयु वर्ग)

बच्चों को जमीन पर टेढी–मेढी रस्सी रखकर गाय, बकरी किसी जीव जन्तु की आवाज निकालते हुए संतुलन बनाकर चलने को कहें।

**12:15 से 12:45**

भाषा विकासः– कविता/कहानी/पहेली

कविता 'बांसुरिया फिर से बजा' कविता व पहेली को कार्यकर्ता अपने साथ करवाये।

बांसुरिया फिर से बजा मेरे कान्हा, बांसुरियां फिर से बजा।
बांसुरियां सुनके गंऊए चल आती हैं, गंऊओं को फिर से सुना।
बांसुरियां सुनके राधा नाच जाती हैं, राधा को फिर से नचा।
बांसुरियां सुनके गोपी रास रचाती हैं, गोपी संग रास रचा।
बांसुरिया फिर से बजा.....

पहेली– भूरे रंग और पूंछ वाला, बिल में मैं छिप जाता हूं
तेज दांतो से कतर–2 के सब कुछ चट कर जाता हूं।
बोलो क्या ? उत्तर– चूहा

**12:45 से 01:15**

सृजनात्मक विकासः– रंग भरना/चित्रकला

चूहा, कनखजूरा, चींटी आदि के चित्र में रंग भरवाये।

**01:15 से 01:45**

सामाजिक व भावनात्मक विकासः–

कहानी 'गंदा सुअर' को कार्यकर्ता स्टोरी चार्ट द्वारा करवाये।

किसी जंगल में बहुत सारे जानवर रहते थे– शेर, भालू, हिरण इत्यादि उसी जंगल मं एक गन्दा सुअर भी रहता था। सुअर के बदन पर मैला कीचड लगा रहता था, साथ ही उसके बदन से दुर्गन्ध भी बहुत आती रहती थी। सूअर जंगल के जिस रास्ते से गुजरता उस रास्ते से आने–जाने वाले सभी जानवर नफरत आर घृणा से मुंह फेर लेते और

भाग जाते थे। सुअर के पास कोई नहीं आता था। सुअर सोच में पड गया। सभी जानवर मुझे देखकर भागते क्यों है ? मेरे पास आकर औरों की तरह कोई गप–शप क्यों नहीं करता? तभी एक लोमडो उधर से गुजर रही थी। सुअर को देखकर वह भी नफरत से मुंह छुपाकर जाने लगी। सुअर ने उसे उदास आवाज से लोमडो से कहा, लोमडो बहन–आखिर मुझ में कौन सी खराबी है जिसकी वजह से कोई जानवर मेरे पास नहीं आना चाहते ? मुझे बताती जाओ। लोमडो बोली– तुम्हे नहीं मालुम कि तुम कितने गन्दे रहते हो ? तुम्हारे बदन से कितनी दुर्गन्ध आती रहती है। कोई तुम्हारे पास कैसे बैठेगा। तुम कभी स्नान नहीं करत हो। इसलिए सभी जानवर तुमसे नफरत करते हैं। स़अर को अपनी गलती का एहसास हुआ। दूसरे दिन वह स्नान एवं पूरी सफाई के साथ सभी जानवरों के पास आया तो सभी जानवरां ने आश्चर्य से खुश होकर सुअर को अपने साथ मिला लिया। बच्चो हम सब को भी हर रोज नहाना चाहिए।

**01:45 से 02:00**

पोषाहार वितरणः– बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

# माह– अगस्त

## विषय : हमारा परिवेश

चौथा सप्ताह — साप्ताहिक विषयः प्राणी, जीव–जन्तु

मंगलवार — दैनिक विषयः थलचर

समय — गतिविधियां

**10:00 से 10:30**

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

**10:30 से 10:45**

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

**10:45 से 11:15**

विषय आधारितम वार्तालापः–

आंगनवाडी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों से पूछें कि जल में रहने वाले जीव जन्तुओं को देखा है ? फिर बच्चों को फ्लैश कार्ड के माध्यम से मछली, मगरमच्छ, मेंढक, सांप, कछुआ आदि के चित्र दिखाकर बच्चों को उनके बारे में बताएं। कविता बुलवाएं–

मछली जल की रानी है, जीवन उसका पानी है।
हाथ लगाओ डर जाएगी, बाहर निकालो मर जाएगी।

**11:15 से 11:45**

बौद्धिक विकासः– परिकल्पनाः रंगो का ज्ञान– *(विधि– मिलान, विभेदीकरण, युपिंग)*

*पहले पिछले कल करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें*

(3–5+ आयु वर्ग)

- खेल करवाएंः– बच्चों को दो–2 के जोड में बिठाएं। एक दूसरे की हथेली पर ताली बजा कर खेल करवाएं। ऑच–पॉच पूर पॉच। नदी किनारे निकला सॉप, लाओ लाठी मारो सॉप। कॉच की बोतल चकनाचूर। राजा की बेटी कमल का फूल।

- अलग क्या है ?

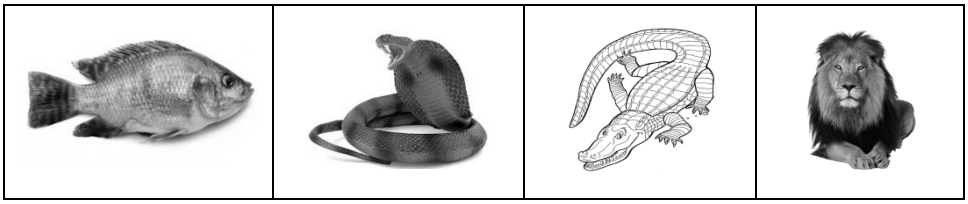

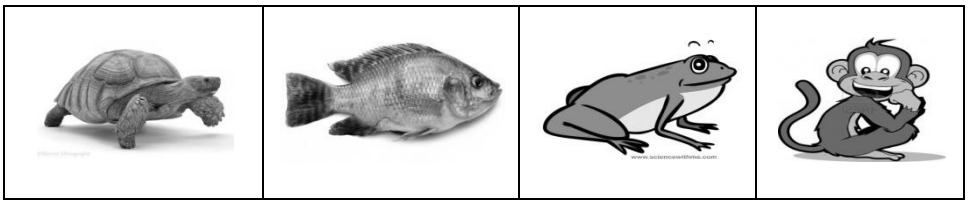

- एक समान रंग के जन्तुओं का मिलान करवाएं

| | |
|---|---|
| लाल मछली | हरा सांप |
| काला सांप | लाल मछली |
| पीली मछली | काला सांप |
| हरा सांप | पीली मछली |

- समूह बनानाः– बहुत जीव, जन्तु व जानवरों के फ्लैश कार्ड देकर पानी में रहने वाले जीव को एक समूह में रखने को कहें।

**<u>11:45 से 12:15</u>**

शारीरिक विकासः– <u>भागना/दौडना</u>

(3–5+ आयु वर्ग)

विभिन्न फ्लैश कार्डो को जैसे– मछली, सांप, नेवला, मगरमच्छ मेंढक, कछुआ को बच्चों की पीठ पर लगाए। फिर कार्यकर्ता निर्देश दे सांप व

नेवला तो वे एक दूसरे को अपनी ओर खींचें। जो बच्चा अपनी तरफ को खींच ले वह विजेता होगा। इसी तरह सभी बच्चों की बारी आएगी।

**12:15 से 12:45** कविता/कहानी/पहेली

कविता 'बांसुरिया फिर से बजा' कविता नृत्य सहित व पहेली को कार्यकर्ता अपने साथ करवाये।

**12:45 से 01:15**

सृजनात्मक विकासः— छापना/पेंटिंग

- आलू, प्याज भिण्डी के छापे लगाए।
- मछली की चित्र बनाए व उस पर आलू के छापे लगाए।

**01:15 से 01:45**

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

कहानी 'गंदा सुअर' को कार्यकर्ता स्टोरी चार्ट द्वारा करवाये।

**01:45 से 02:00**

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

# माह– अगस्त

## विषय : हमारा परिवेश

चौथा सप्ताह — साप्ताहिक विषयः प्राणी, जीव–जन्तु

बुधवार — दैनिक विषयः उभयचर

समय — गतिविधियां

**10:00 से 10:30**

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

**10:30 से 10:45**

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

**10:45 से 11:15**

विषय आधारितम वार्तालापः–

आंगनवाडी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों से बातचीत करें कि आप ने जमीन पर रेंगने वाले जीव जंतु जैसे –सांप, केंचुआ, कनखजूरा, धोबी कीडा इत्यादि देखे हं ? कैसे होते हैं ? कहां दिखते हैं ? कौन काटते हैं, इत्यादि।

**11:15 से 11:45**

बौद्धिक विकासः– परिकल्पनाः आकृति का ज्ञान– *(विधि–पृथकीकरण, छांटना व कमबद्ध)*

*पहले पिछले दो दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें*

(3–4 आयु वर्ग)

- खेल करवाएंः– जमीन पर विभिन्न आकृतियां बनाकर उन पर विभिन्न जन्तुओं की तरह चलने को कहें जैसे– चौकोर में कछुए की तरह, गोल में सॉप की तरह, त्रिकोण में मेंढक की तरह।
- त्रिकोण, गोल, चौकोर, अंडाकार आदि के फ्लैश कार्ड देकर पहचान करके छांटने को कहें।

(4–5+ आयु वर्ग)

- कमानुसार रिक्त स्थान पर क्या आएगा

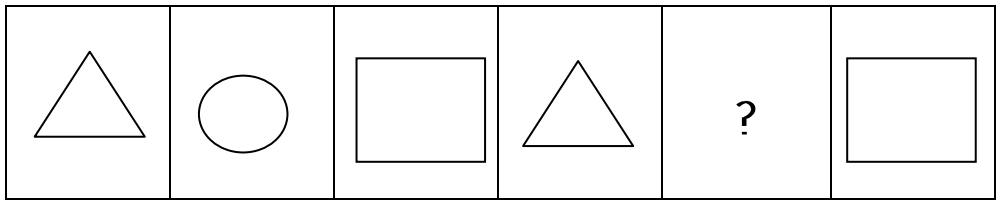

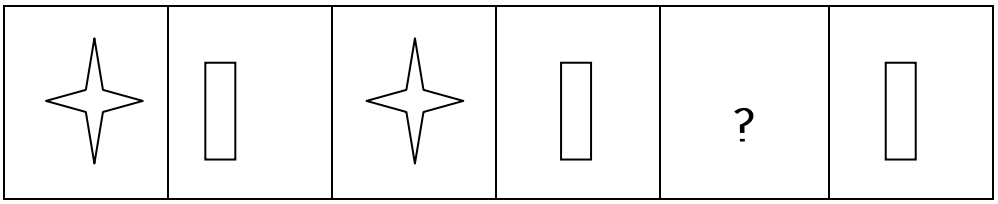


- मिश्रित फ्लैश कार्डों में से निर्देशानुसार आकृति छंटवाएं जैसे– त्रिभुज अलग करं। चौकोर अलग छंटवाएं।

**11:45 से 12:15**

शारीरिक विकासः– उछलना/कूदना

(3–5+ आयु वर्ग)

- बच्चों को सांप की तरह रेंगने को कहें।
- लुका–छिपी का खेल करवायें।

**12:15 से 12:45**

भाषा विकासः– कविता/कहानी/पहेली

कविता 'बांसुरिया फिर से बजा' नृत्य सहित व पहेली की कार्यकर्ता समूह में दोहराई करवाये।

**12:45 से 01:15**

सृजनात्मक विकासः– फाडना/चिपकाना

(3–5+ आयु वर्ग)

- सांप की आकृति में चायपत्ती चिपकाएं।
- कनखजूरे में मिट्टी चिपकाएं।

**01:15 से 01:45**

सामाजिक व भावनात्मक विकासः–

कहानी 'गंदा सुअर' को कार्यकर्ता हैंड पपट/कठपुतली द्वारा दोहराई करवाये।

**01:45 से 02:00**

पोषाहार वितरणः– बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

# माह– अगस्त

## विषय : हमारा परिवेश

चौथा सप्ताह — साप्ताहिक विषयः प्राणी, जीव–जन्तु

वीरवार — दैनिक विषयः नभचर

समय — गतिविधियां

**10:00 से 10:30**

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

**10:30 से 10:45**

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

**10:45 से 11:15**

विषय आधारितम वार्तालापः–

आंगनवाडी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों से पूछें कि आसमान में कौन–2 से पक्षी उडते हुए देखते हो ? किस–2 को कौन सा पक्षी अच्छा लगता है ? क्या पक्षियों को जमीन पर चलते हुए देखा है ?

**11:15 से 11:45**

बौद्धिक विकासः– परिकल्पनाः समय / दूरी / दिशा– *(विधि–आगे–पीछे, पहले–बाद में, दांए–बांए)*

*पहले पिछले तीन दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें*

(3–5+ आयु वर्ग)

- खेल करवाएंः– इन्सी मिन्सी मकडा ऊपर चढ़ता है, इन्सी मिन्सी मकडा नीचे उतरता है। इन्सी मिन्सी मकडा दाएं चलता है, इन्सी मिन्सी मकडा बाएं चलता है। इन्सी मिन्सी मकडा आगे चलता है, इन्सी मिन्सी मकडा पीछे चलता है। इन्सी मिन्सी मकडा गोल–2 घुमा, इन्सी मिन्सी मकडा जाला बुन गया।

- कौन पहले पहुंचेगा उस पर सही ( ) का निशान लगायें

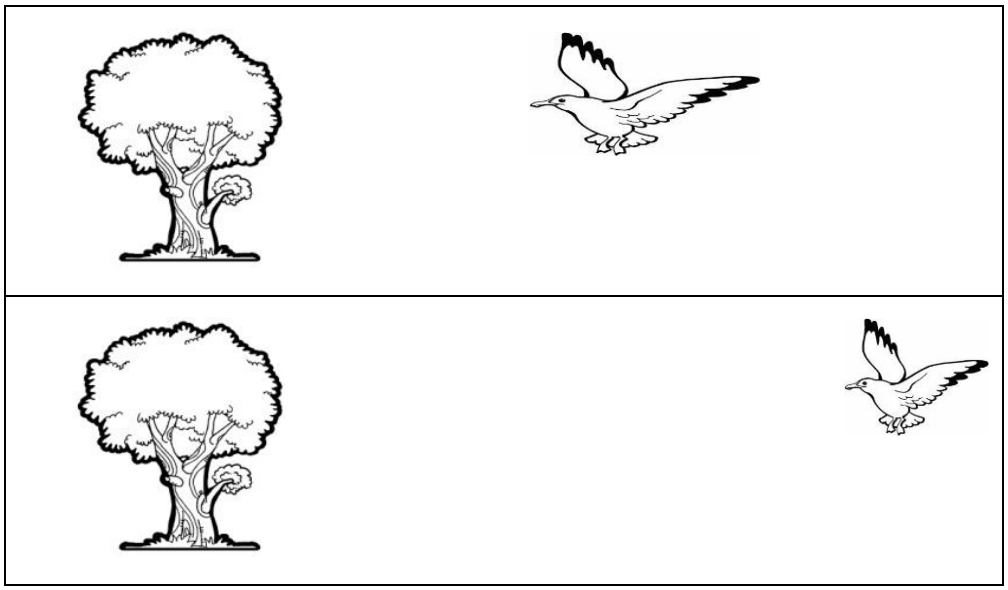

**11:45 से 12:15**

शारीरिक विकासः— रेंगना/लुढकना

(3—5+ आयु वर्ग)

बच्चों को चिडियां, तोते, कबूतर आदि की तरह उछलने कूदने को कहें।

**12:15 से 12:45**

भाषा विकासः— कविता/कहानी/पहेली

कविता 'बांसुरिया फिर से बजा' नृत्य सहित व पहेली की कार्यकर्ता एकल में दोहराई करवाये।

**12:45 से 01:15**

सृजनात्मक विकासः— पिरोना/छांटना

(3—5+ आयु वर्ग)

- बच्चों को मक्की के दाने, चने के दाने, गेंहू के दाने देकर छांटने को कहेंगे।
- रंग—बिरंगे कागज के रिबनको लकडी में पिरोने को कहें।

**01:15 से 01:45**

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

कहानी 'गंदा सुअर' को कार्यकर्ता नाटकीकरण द्वारा दोहराई करवाये।

**01:45 से 02:00**

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//

# माह– अगस्त

## विषय : हमारा परिवेश

चौथा सप्ताह — साप्ताहिक विषयः प्राणी, जीव–जन्त

शुक्रवार — दैनिक विषयः जन्माष्टमी

समय — गतिविधियां

**10:00 से 10:30**

स्वागत एवं स्वच्छता जांचः– स्वागत, प्रार्थना, राष्ट्रगान, स्वच्छता जांच व व्यायाम माह के प्रथम सोमवार के अनुरुप।

**10:30 से 10:45**

नाश्ताः– सभी बच्चों को गोले में बिठाकर नाश्ता वितरित करना एवं बच्चों की उपस्थिति दर्ज करना।

**10:45 से 11:15**

विषय आधारितम वार्तालापः–

आंगनवाडी कार्यकर्ता मुक्त वार्तालाप करते हुए दैनिक विषय पर आएगी जैसेः– बच्चों से पूछें कि कौन–2 अपना जन्मदिन मनाते हो ? कैसे मनाते हो ? ऐसे ही भगवान श्री कृष्ण के जन्मदिन के अवसर पर भी हम सब उत्सव मनाते है, उसे जन्माष्टमी कहते हैं।

**11:15 से 11:45**

बौद्धिक विकासः– परिकल्पनाः गुम क्या है

*पहले पिछले चार दिन करवाई गई गतिविधियों की संक्षिप्त पुनरावृति करें*

(3–5+ आयु वर्ग)

- गुम क्या है

| | |
|---|---|
| बांसूरी वाले | बिना बांसूरी वाले |

| | |
|---|---|
| मटकी वाले | बिना मटकी वाले |
| मुकुट वाले कृष्ण | बिना मुकुट वाले कृष्ण |

- क्या गुम है

| | |
|---|---|
| | |

**11:45 से 12:15**

शारीरिक विकासः— गेंद के खेल

(3—5+ आयु वर्ग)

- कपड़े की गेंद बनाकर पिट्ठु खिलायें।
- गुब्बारे फूलाकर कैच—2 करवाएं।
- एक बच्चे को कान्हा बनाएं फिर गुब्बारे से उसे मारने को कहें।

**12:15 से 12:45**

भाषा विकासः— कविता/कहानी/पहेली

कविता 'बांसुरिया फिर से बजा' कविता नृत्य सहित व पहेली की कार्यकर्ता एकल में दोहराई करवाये।

**12:45 से 01:15**

सृजनात्मक विकासः— मिट्टी/पानी के खेल

(3—5+ आयु वर्ग)

बच्चों से साफ घर व गन्दे घर का चित्र बना कर उसमें रंग भरवा कर पूछें कि किस घर में मच्छर रहता है ?

**01:15 से 01:45**

सामाजिक व भावनात्मक विकासः—

कहानी 'गंदा सुअर' को कार्यकर्ता मुखौटों से नाटकीकरण द्वारा दोहराई करवाये।

**01:45 से 02:00**

पोषाहार वितरणः— बच्चों के हाथ धुलवाकर गोले में बिठाकर पोषाहार वितरण से पहले माह के प्रथम दिन करवाई गई प्रार्थना दोहराएं।

//**********//